

Документ подписан простой электронной подписью  
Информация о владельце:  
ФИО: Перова Елена Юрьевна  
Должность: ректор  
Дата подписания: 30.06.2026 09:34:26  
Уникальный программный ключ:  
9b68c4794e467ee8ddbc7abcc23cb0857f1ce4842b4832bb03567bdc95650284

МИНИСТЕРСТВО КУЛЬТУРЫ РОССИЙСКОЙ ФЕДЕРАЦИИ

ФГБОУ ВО "Восточно-Сибирский государственный институт культуры"

План одобрен Ученым советом вуза  
Протокол № 5 от 29.01.2025

УЧЕБНЫЙ ПЛАН

по программе бакалавриата

51.03.02

51.03.02 Народная художественная культура

Профиль: Руководство студией декоративно-прикладного творчества, преподаватель  
Кафедра: Декоративно-прикладного искусства  
Факультет: искусств

Квалификация: бакалавр

Год начала подготовки (по учебному плану) 2025

Форма обучения: Заочная

Образовательный стандарт (ФГОС) № 1178 от 06.12.2017

Срок получения образования: 5 л.

| Код    | Области профессиональной деятельности и (или) сферы профессиональной деятельности. Профессиональные стандарты | Приказ Минтруда         |
|--------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------|
| 01     | ОБРАЗОВАНИЕ И НАУКА                                                                                           |                         |
| 01.003 | ПЕДАГОГ ДОПОЛНИТЕЛЬНОГО ОБРАЗОВАНИЯ ДЕТЕЙ И ВЗРОСЛЫХ                                                          | № 652н от 22.09.2021 г. |
| 04     | КУЛЬТУРА, ИСКУССТВО                                                                                           |                         |
| 04.002 | СПЕЦИАЛИСТ ПО ТЕХНИЧЕСКИМ ПРОЦЕССАМ ХУДОЖЕСТВЕННОЙ ДЕЯТЕЛЬНОСТИ                                               | № 611н от 08.09.2014 г. |

| Основной | Типы задач профессиональной деятельности |
|----------|------------------------------------------|
| +        | художественно-творческий                 |
| +        | педагогический                           |
| +        | организационно-управленческий            |

СОГЛАСОВАНО

Проректор по УВР

Начальник УМУ

Декан

Заведующий кафедрой/ Руководитель образовательной программы

УТВЕРЖДАЮ

Ректор

Перова Е.Ю.

29.01.2025г.



Редько Т.Л.  
Немчинова Т.А.  
Мордвина Т.Н.  
Жанчипова Т.С.



| № п/п |  | Сфера жизни и сферы деятельности | Наименование | Формы транз. уст. |  | С/к |  | Итого инв. инст. |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 1 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 2 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 3 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 4 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 5 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 6 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 7 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 8 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 9 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 11 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 12 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 13 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 14 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 15 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 16 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 17 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 18 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 19 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 20 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 21 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 22 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 23 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 24 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 25 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 26 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 27 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 28 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 29 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 30 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 31 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 32 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 33 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 34 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 35 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 36 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 37 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 38 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 39 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 40 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 41 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 42 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 43 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 44 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 45 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 46 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 47 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 48 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 49 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 50 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 51 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 52 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 53 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 54 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 55 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 56 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 57 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 58 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 59 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 60 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 61 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 62 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 63 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 64 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 65 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 66 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 67 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 68 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 69 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 70 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 71 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 72 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 73 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 74 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 75 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 76 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 77 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 78 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 79 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 80 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 81 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 82 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 83 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 84 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 85 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 86 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 87 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 88 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 89 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 90 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 91 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 92 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 93 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 94 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 95 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 96 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 97 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 98 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 99 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 100 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 101 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 102 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 103 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 104 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 105 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 106 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 107 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 108 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 109 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 110 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 111 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 112 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 113 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 114 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 115 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 116 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 117 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 118 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 119 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 120 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 121 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 122 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 123 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 124 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 125 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 126 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 127 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 128 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 129 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 130 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 131 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 132 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 133 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 134 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 135 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 136 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 137 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 138 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 139 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 140 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 141 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 142 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 143 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 144 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 145 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 146 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 147 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 148 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 149 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 150 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 151 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 152 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 153 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 154 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 155 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 156 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 157 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 158 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 159 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 160 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 161 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 162 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 163 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 164 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 165 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 166 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 167 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 168 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 169 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 170 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 171 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 172 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 173 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 174 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 175 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 176 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 177 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 178 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 179 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 180 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 181 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 182 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 183 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 184 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 185 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 186 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 187 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 188 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 189 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 190 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 191 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 192 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 193 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 194 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 195 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 196 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 197 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 198 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 199 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 200 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 201 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 202 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 203 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 204 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 205 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 206 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 207 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 208 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 209 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 210 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 211 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 212 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 213 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 214 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 215 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 216 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 217 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 218 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 219 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 220 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 221 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 222 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 223 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 224 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 225 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 226 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 227 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 228 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 229 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 230 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 231 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 232 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 233 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 234 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 235 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 236 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 237 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 238 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 239 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 240 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 241 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 242 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 243 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 244 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 245 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 246 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 247 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 248 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 249 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 250 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 251 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 252 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 253 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 254 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 255 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 256 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 257 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 258 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 259 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 260 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 261 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 262 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 263 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 264 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 265 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 266 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 267 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 268 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 269 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 270 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 271 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 272 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 273 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 274 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 275 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 276 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 277 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 278 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 279 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 280 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 281 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 282 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 283 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 284 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 285 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 286 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 287 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 288 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 289 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 290 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 291 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 292 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 293 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 294 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 295 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 296 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 297 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 298 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 299 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 300 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 301 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 302 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 303 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 304 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 305 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 306 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 307 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 308 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 309 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 310 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 311 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 312 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 313 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 314 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 315 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 316 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 317 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 318 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 319 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 320 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 321 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 322 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 323 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 324 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 325 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 326 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 327 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 328 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 329 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 330 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 331 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 332 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 333 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 334 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 335 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 336 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 337 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 338 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 339 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 340 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 341 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 342 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 343 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 344 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 345 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 346 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 347 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 348 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 349 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 350 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 351 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 352 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 353 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 354 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 355 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 356 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 357 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 358 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 359 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 360 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 361 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 362 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 363 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 364 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 365 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 366 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 367 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 368 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 369 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 370 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 371 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 372 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 373 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 374 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 375 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 376 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 377 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 378 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 379 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 380 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 381 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 382 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 383 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 384 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 385 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 386 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 387 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 388 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 389 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 390 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 391 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 392 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 393 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 394 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 395 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 396 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 397 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 398 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 399 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 400 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 401 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 402 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 403 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 404 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 405 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 406 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 407 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 408 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 409 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 410 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 411 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 412 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 413 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 414 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 415 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 416 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 417 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 418 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 419 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 420 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 421 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 422 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 423 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 424 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 425 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 426 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 427 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 428 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 429 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 430 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 431 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 432 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 433 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 434 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 435 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 436 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 437 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 438 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 439 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 440 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 441 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 442 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 443 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 444 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 445 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 446 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 447 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 448 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 449 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 450 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 451 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 452 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 453 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 454 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 455 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 456 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 457 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 458 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 459 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 460 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 461 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 462 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 463 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 464 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 465 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 466 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 467 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 468 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 469 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 470 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 471 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 472 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 473 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 474 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 475 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 476 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 477 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 478 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 479 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 480 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 481 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 482 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 483 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 484 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 485 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 486 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 487 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 488 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 489 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 490 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 491 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 492 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 493 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 494 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 495 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 496 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 497 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 498 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 499 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 500 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 501 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 502 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 503 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 504 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 505 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 506 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 507 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 508 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 509 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 510 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 511 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 512 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 513 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 514 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 515 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 516 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 517 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 518 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 519 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 520 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 521 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 522 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 523 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 524 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 525 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 526 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 527 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 528 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 529 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 530 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 531 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 532 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 533 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 534 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 535 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 536 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 537 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 538 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 539 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 540 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 541 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 542 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 543 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 544 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 545 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 546 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 547 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 548 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 549 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 550 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 551 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 552 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 553 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 554 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 555 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 556 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 557 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 558 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 559 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 560 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 561 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 562 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 563 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 564 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 565 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 566 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 567 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 568 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 569 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 570 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 571 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 572 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 573 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 574 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 575 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 576 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 577 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 578 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 579 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 580 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 581 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 582 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 583 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 584 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 585 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 586 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 587 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 588 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 589 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 590 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 591 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 592 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 593 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 594 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 595 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 596 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 597 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 598 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 599 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 600 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 601 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 602 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 603 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 604 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 605 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 606 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 607 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 608 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 609 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 610 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 611 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 612 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 613 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 614 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 615 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 616 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 617 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 618 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 619 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 620 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 621 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 622 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 623 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 624 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 625 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 626 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 627 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 628 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 629 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 630 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 631 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 632 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 633 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 634 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 635 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 636 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 637 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 638 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 639 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 640 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 641 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 642 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 643 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 644 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 645 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 646 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 647 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 648 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 649 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 650 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 651 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 652 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 653 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 654 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 655 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 656 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 657 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 658 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 659 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 660 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 661 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 662 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 663 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 664 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 665 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 666 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 667 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 668 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 669 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 670 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 671 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 672 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 673 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 674 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 675 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 676 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 677 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 678 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 679 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 680 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 681 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 682 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 683 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 684 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 685 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 686 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 687 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 688 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 689 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 690 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 691 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 692 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 693 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 694 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 695 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 696 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 697 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 698 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 699 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 700 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 701 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 702 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 703 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 704 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 705 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 706 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 707 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 708 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 709 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 710 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 711 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 712 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 713 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 714 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 715 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 716 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 717 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 718 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 719 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 720 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 721 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 722 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 723 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 724 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 725 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 726 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 727 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 728 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 729 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 730 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 731 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 732 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 733 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 734 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 735 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 736 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 737 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 738 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 739 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 740 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 741 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 742 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 743 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 744 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 745 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 746 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 747 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 748 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 749 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 750 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 751 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 752 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 753 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 754 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 755 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 756 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 757 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 758 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 759 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 760 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 761 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 762 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 763 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 764 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 765 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 766 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 767 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 768 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 769 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 770 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 771 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 772 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 773 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 774 |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Класс 775 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|-------|--|----------------------------------|--------------|-------------------|--|-----|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
|-------|--|----------------------------------|--------------|-------------------|--|-----|--|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|

| Индекс                                                                 | Содержание                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           | Тип |
|------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----|
| УК-1                                                                   | Способен осуществлять поиск, критический анализ и синтез информации, применять системный подход для решения поставленных задач                                                                                                                                                                                                                       | УК  |
| Б1.О.01                                                                | История России                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       |     |
| Б1.О.02                                                                | Философия                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |     |
| Б1.О.12                                                                | Культурология                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |     |
| Б3.01                                                                  | Подготовка к сдаче и сдача государственного экзамена                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |     |
| УК-2                                                                   | Способен определять круг задач в рамках поставленной цели и выбирать оптимальные способы их решения, исходя из действующих правовых норм, имеющихся прецедентов и личностный                                                                                                                                                                         | УК  |
| Б1.О.06                                                                | Правоведение                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         |     |
| Б1.О.07                                                                | Основы экономики, менеджмента и проектной деятельности в сфере культуры                                                                                                                                                                                                                                                                              |     |
| Б3.01                                                                  | Подготовка к сдаче и сдача государственного экзамена                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |     |
| УК-3                                                                   | Способен осуществлять социальное взаимодействие и реализовывать свою роль в команде                                                                                                                                                                                                                                                                  | УК  |
| Б1.О.07                                                                | Основы экономики, менеджмента и проектной деятельности в сфере культуры                                                                                                                                                                                                                                                                              |     |
| Б1.О.08                                                                | Психология и педагогика                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |     |
| Б3.01                                                                  | Подготовка к сдаче и сдача государственного экзамена                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |     |
| ФТД.02                                                                 | Организация добровольческой (волонтерской) деятельности и взаимодействие с социально ориентированными НКО                                                                                                                                                                                                                                            |     |
| УК-4                                                                   | Способен осуществлять деловую коммуникацию в устной и письменной формах на государственном языке Российской Федерации и иностранном(ых) языке(ов)                                                                                                                                                                                                    | УК  |
| Б1.О.03                                                                | Иностранный язык                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     |     |
| Б1.О.04                                                                | Русский язык и культура речи                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         |     |
| Б3.01                                                                  | Подготовка к сдаче и сдача государственного экзамена                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |     |
| УК-5                                                                   | Способен воспринимать межкультурное разнообразие общества в социально-историческом, этическом и философском контекстах                                                                                                                                                                                                                               | УК  |
| Б1.О.01                                                                | История России                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       |     |
| Б1.О.02                                                                | Философия                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |     |
| Б1.О.12                                                                | Культурология                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |     |
| Б1.О.13                                                                | Литература                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |     |
| Б1.О.14                                                                | Этнология                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |     |
| Б1.О.15                                                                | Теория и история народной художественной культуры                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |     |
| Б1.О.ДВ.01.01                                                          | Основы российской государственности                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  |     |
| Б1.О.ДВ.01.02                                                          | Россия и мир                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         |     |
| Б3.01                                                                  | Подготовка к сдаче и сдача государственного экзамена                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |     |
| ФТД.01                                                                 | Культура и искусство Сибири и Дальнего Востока                                                                                                                                                                                                                                                                                                       |     |
| УК-6                                                                   | Способен управлять своим временем, выстраивать траекторию саморазвития на основе принципов образования в течение всей жизни                                                                                                                                                                                                                          | УК  |
| Б1.О.08                                                                | Психология и педагогика                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |     |
| Б3.01                                                                  | Подготовка к сдаче и сдача государственного экзамена                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |     |
| УК-7                                                                   | Способен поддерживать должный уровень физической подготовленности для обеспечения полноценной социальной и профессиональной деятельности                                                                                                                                                                                                             | УК  |
| Б1.О.11                                                                | Физическая культура и спорт                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          |     |
| Б1.В.ДВ.05.01                                                          | Общая физическая подготовка                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          |     |
| Б1.В.ДВ.05.02                                                          | Профессионально-прикладная физическая культура                                                                                                                                                                                                                                                                                                       |     |
| Б1.В.ДВ.05.03                                                          | Адаптивная физическая культура                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       |     |
| Б3.01                                                                  | Подготовка к сдаче и сдача государственного экзамена                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |     |
| УК-8                                                                   | Способен создавать и поддерживать в повседневной жизни и в профессиональной деятельности безопасные условия жизнедеятельности для сохранения природной среды, обеспечения устойчивого развития общества, в том числе при угрозе и возникновении чрезвычайных ситуаций и военных конфликтов                                                           | УК  |
| Б1.О.10                                                                | Безопасность жизнедеятельности                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       |     |
| Б3.01                                                                  | Подготовка к сдаче и сдача государственного экзамена                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |     |
| УК-9                                                                   | Способен принимать обоснованные экономические решения в различных областях жизнедеятельности                                                                                                                                                                                                                                                         | УК  |
| Б1.О.07                                                                | Основы экономики, менеджмента и проектной деятельности в сфере культуры                                                                                                                                                                                                                                                                              |     |
| Б3.01                                                                  | Подготовка к сдаче и сдача государственного экзамена                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |     |
| УК-10                                                                  | Способен формировать нетерпимое отношение к проявлениям экстремизма, терроризма, коррупционному поведению и противодействовать им в профессиональной деятельности                                                                                                                                                                                    | УК  |
| Б1.О.06                                                                | Правоведение                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         |     |
| Б3.01                                                                  | Подготовка к сдаче и сдача государственного экзамена                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |     |
| ОПК-1                                                                  | Способен применять полученные знания в области культуроведения и социокультурного проектирования в профессиональной деятельности и социальной практике;                                                                                                                                                                                              | ОПК |
| Б1.О.15                                                                | Теория и история народной художественной культуры                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |     |
| Б1.О.19                                                                | История и современные проблемы декоративно-прикладного искусства                                                                                                                                                                                                                                                                                     |     |
| Б1.О.21                                                                | Методика преподавания специальных дисциплин                                                                                                                                                                                                                                                                                                          |     |
| Б2.О.01(У)                                                             | Учебная практика (связанная практика)                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |     |
| Б2.О.02(П)                                                             | Производственная практика (педагогическая практика)                                                                                                                                                                                                                                                                                                  |     |
| Б2.О.03(П)                                                             | Производственная практика (проектно-технологическая практика)                                                                                                                                                                                                                                                                                        |     |
| Б2.О.04(П)                                                             | Производственная практика (преддипломная практика)                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |     |
| Б3.01                                                                  | Подготовка к сдаче и сдача государственного экзамена                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |     |
| Б3.02                                                                  | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы                                                                                                                                                                                                                                                                                                |     |
| ОПК-2                                                                  | Способен понимать принципы работы современных информационных технологий и использовать их для решения задач профессиональной деятельности;                                                                                                                                                                                                           | ОПК |
| Б1.О.09                                                                | Информационные технологии                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |     |
| Б1.В.11                                                                | Компьютерная техника и компьютерная графика                                                                                                                                                                                                                                                                                                          |     |
| Б2.О.04(П)                                                             | Производственная практика (преддипломная практика)                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |     |
| Б3.01                                                                  | Подготовка к сдаче и сдача государственного экзамена                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |     |
| Б3.02                                                                  | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы                                                                                                                                                                                                                                                                                                |     |
| ОПК-3                                                                  | Способен соблюдать требования профессиональных стандартов и нормы профессиональной этики;                                                                                                                                                                                                                                                            | ОПК |
| Б1.В.01                                                                | Пропедевтика в декоративно-прикладное искусство                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |     |
| Б2.О.02(П)                                                             | Производственная практика (педагогическая практика)                                                                                                                                                                                                                                                                                                  |     |
| Б2.О.03(П)                                                             | Производственная практика (проектно-технологическая практика)                                                                                                                                                                                                                                                                                        |     |
| Б2.О.04(П)                                                             | Производственная практика (преддипломная практика)                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |     |
| Б3.01                                                                  | Подготовка к сдаче и сдача государственного экзамена                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |     |
| Б3.02                                                                  | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы                                                                                                                                                                                                                                                                                                |     |
| ОПК-4                                                                  | Способен ориентироваться в проблематике современной государственной культурной политики Российской Федерации.                                                                                                                                                                                                                                        | ОПК |
| Б1.О.05                                                                | Основы государственной культурной политики Российской Федерации                                                                                                                                                                                                                                                                                      |     |
| Б1.О.14                                                                | Этнология                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |     |
| Б2.О.04(П)                                                             | Производственная практика (преддипломная практика)                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |     |
| Б3.01                                                                  | Подготовка к сдаче и сдача государственного экзамена                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |     |
| Б3.02                                                                  | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы                                                                                                                                                                                                                                                                                                |     |
| Тип задач профессиональной деятельности: художественно-творческий      |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |     |
| ПК-1                                                                   | Владеть навыками линейно-конструктивного построения и основы академической живописи, навыками скульптора, современной шрифтовой культурой, приемами работы с макетированием и моделированием, опытами работы с цветом и цветными композициями                                                                                                        | -   |
| Б1.О.16                                                                | Рисунок                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |     |
| Б1.О.17                                                                | Живопись                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             |     |
| Б1.О.18                                                                | Скульптура                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |     |
| Б1.О.20                                                                | Цветоведение и колористика                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |     |
| Б1.В.02                                                                | Декоративная живопись                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |     |
| Б2.О.01(У)                                                             | Учебная практика (связанная практика)                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |     |
| Б2.О.03(П)                                                             | Производственная практика (проектно-технологическая практика)                                                                                                                                                                                                                                                                                        |     |
| Б2.О.04(П)                                                             | Производственная практика (преддипломная практика)                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |     |
| Б3.02                                                                  | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы                                                                                                                                                                                                                                                                                                |     |
| ФТД.03                                                                 | Графика                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |     |
| ПК-2                                                                   | Способен вести поиск, анализировать и систематизировать подготовительный материал для проектирования изделий декоративно-прикладного искусства и народных промыслов, создавать художественно-графические проекты изделий декоративно-прикладного искусства и народных промыслов индивидуального и интерьерного назначения и воплощать их в материале | -   |
| Б1.О.19                                                                | История и современные проблемы декоративно-прикладного искусства                                                                                                                                                                                                                                                                                     |     |
| Б1.О.22                                                                | Основы композиции и моделирования                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |     |
| Б1.В.01                                                                | Пропедевтика в декоративно-прикладное искусство                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |     |
| Б1.В.04                                                                | Традиционные промыслы                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |     |
| Б1.В.05                                                                | Народный костюм                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |     |
| Б1.В.07                                                                | Проектирование в декоративно-прикладном искусстве                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |     |
| Б1.В.08                                                                | Основы производственного искусства                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |     |
| Б1.В.10                                                                | Тематический рисунок и манера стилизованная геометрия                                                                                                                                                                                                                                                                                                |     |
| Б1.В.ДВ.01.01                                                          | Декоративно-художественная лепка                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     |     |
| Б1.В.ДВ.01.02                                                          | Керамика                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             |     |
| Б1.В.ДВ.02.01                                                          | Художественная обработка дерева                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |     |
| Б1.В.ДВ.02.02                                                          | Художественная обработка материалов                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  |     |
| Б1.В.ДВ.03.01                                                          | Чеканка                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |     |
| Б1.В.ДВ.03.02                                                          | Ювелирное дело                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       |     |
| Б1.В.ДВ.04.02                                                          | Объемы                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |     |
| Б1.В.ДВ.04.02                                                          | Практикум по дизайну                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |     |
| Б2.О.03(П)                                                             | Производственная практика (проектно-технологическая практика)                                                                                                                                                                                                                                                                                        |     |
| Б2.О.04(П)                                                             | Производственная практика (преддипломная практика)                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |     |
| Б3.02                                                                  | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы                                                                                                                                                                                                                                                                                                |     |
| Тип задач профессиональной деятельности: организационно-управленческой |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |     |
| ПК-3                                                                   | Способен организовывать образовательную деятельность в области изобразительного и декоративно-прикладного творчества с учетом особенностей социокультурной среды                                                                                                                                                                                     | -   |
| Б1.В.03                                                                | Методика преподавания стилизованной декоративно-прикладного творчества                                                                                                                                                                                                                                                                               |     |
| Б1.В.06                                                                | Управление проектами в сфере декоративно-прикладного искусства и народных промыслов                                                                                                                                                                                                                                                                  |     |
| Б2.О.03(П)                                                             | Производственная практика (проектно-технологическая практика)                                                                                                                                                                                                                                                                                        |     |
| Б2.О.04(П)                                                             | Производственная практика (преддипломная практика)                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |     |
| Б3.02                                                                  | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы                                                                                                                                                                                                                                                                                                |     |
| Тип задач профессиональной деятельности: педагогической                |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |     |
| ПК-4                                                                   | Способен преподавать и выполнять методическую работу в области изобразительного и декоративно-прикладного искусства                                                                                                                                                                                                                                  | -   |
| Б1.О.21                                                                | Методика преподавания специальных дисциплин                                                                                                                                                                                                                                                                                                          |     |
| Б1.В.09                                                                | Методика преподавания художественных и проектных дисциплин                                                                                                                                                                                                                                                                                           |     |
| Б2.О.03(П)                                                             | Производственная практика (педагогическая практика)                                                                                                                                                                                                                                                                                                  |     |
| Б2.О.04(П)                                                             | Производственная практика (преддипломная практика)                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |     |
| Б3.02                                                                  | Выполнение и защита выпускной квалификационной работы                                                                                                                                                                                                                                                                                                |     |